शीतकालीन सत्र–2020 के समापन अवसर पर माननीय विधान सभा उपाध्यक्ष महोदय जी का उद्‌बोधन

सोमवार, 28 दिसम्बर 2020

छत्तीसगढ़ की पंचम विधान सभा का यह सत्र **21 दिसम्बर से 30 दिसम्बर** के मध्य आहूत था किन्तु आज उसका समापन हो रहा है।

इस **सत्र** के सुव्यवस्थित संचालन के लिए सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के सदन में नेता माननीय **श्री धर्मजीत सिंह जी**, बहुजन समाज पार्टी के नेता माननीय **श्री केशव चन्द्रा जी** एवं पक्ष प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ। जैसा कि आप अवगत है कि माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय **कोविड संक्रमित** होने के कारण इस सत्र में उपस्थित नहीं हो पाये किन्तु उनकी अनुपस्थिति में उनके ही मार्गदर्शन में मैंने यथा संभव सदन के सुव्यवस्थित संचालन हेतु प्रयास किया इसके लिए मैं अध्यक्ष महोदय के प्रति और आप सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

यह **सत्र** भी पूर्व सत्रों की तरह **कोविड** से प्रभावित रहा । सुरक्षा के तमाम उपायों को अपनाते हुए हम सबने अपने संसदीय दायित्वों को पूरा किया। मेरा यह विश्वास है कि हमारे इस सामूहिक प्रयास से छत्तीसगढ़ राज्य को और बेहतर दिशा मिलेगी।

सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी को मैं विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने सदन में उच्च संसदीय मूल्यों को सुदृढ़ता प्रदान की है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि इस सत्र में दिनांक **23 दिसम्बर** को **शासकीय संकल्प** के पारण की प्रक्रिया के दौरान प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा संकल्प के संबंध में उनके आग्रह को स्वीकार किया । निश्चित ही उनकी सहृदयता से सदन का सम्मान बढ़ा है।

जहॉ वर्ष **2020 कोविड** की कटु स्मृतियों के लिए याद रखा जायेगा, वहीं छत्तीसगढ़ विधान सभा के लिए यह उपलब्धि का विषय है कि वर्ष **2020** में इस विधान सभा के कुल **पांच सत्र** आहूत हुए और यह संसदीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का परिचायक है। इस अवसर पर हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने के कार्य में संलग्न डॉक्टर, चिकित्सा स्टॉफ, शासन प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

अब मैं आपको इस **सत्र** में सम्पादित हुए कार्यों के संबंध में संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूंगा। इस सत्र की कुल 5 बैठकों में लगभग 21 घंटे चर्चा हुई। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 505 एवं अतारांकित प्रश्नों की 456 इस प्रकार कुल 961 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई जिसमें से 22 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गये। स्थगन की कुल 117 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसमें से एक विषय से संबंधित 29 सूचनाओं को सदन में पढ़ने एवं शासन का वक्तव्य सुनने के पश्चात् ग्राह्य की गयी तथा एक विषय से संबंधित 16 सूचनाओं पर ग्राह्यता की चर्चा उपरांत उन्हें प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं दी गई तथा एक विषय से संबंधित 44 सूचनायें ध्यानाकर्षण के रूप में परिवर्तित की गई तथा 28 सूचनायें अग्राह्य की गयी। ध्यानाकर्षण की कुल 252 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 67 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 28 सूचनाएं शून्यकाल में परिवर्तित की गईं । शून्यकाल की 52 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसमें से 35 सूचनाएं ग्राह्य और 17 सूचनाएं अग्राह्य रही। नियम 139 के अधीन 2 सूचनायें प्राप्त हुईं एवं ग्राह्य की गईं । इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 7 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी चर्चा उपरांत पारित हुए। वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत द्वितीय अनुपूरक अनुमान पर 4 घंटे 10 मिनट चर्चा हुई।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया। मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस अवसर पर मैं राज्य शासन के नव नियुक्त मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन को भी बधाई देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलेगा, इसके साथ ही शासन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के प्रमुख सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया।

सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्र की तिथियों की घोषणा की परम्परा रही है, तद्नुसार आगामी बजट सत्र फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में आहूत होने की संभावना है।

आने वाले नये वर्ष की मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ और आप सभी से यह सादर आवाह्न करता हूँ कि आइये हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को समग्र उन्नति के शीर्ष पर पहुंचाने का पुनीत संकल्प लें।

धन्यवाद